

राजस्थान में कांग्रेस की हार की न तो किसी ने जिम्मेवारी ली और न ही इस्तीफा दिया

प्रदेश प्रभारी रंधावा और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा की तरफ से इस्तीफे का कोई संकेत नहीं मिला है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर किसी ने भी, हॉ किसी ने भी अब राजस्थान में कांग्रेस की हार की जिम्मेवारी नहीं नहीं ली है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान के प्रभारी रंधावा ने अपना त्याग पत्र देने के कोई संकेत नहीं दिये है, औपचारिकता के नाते भी नहीं। क्या वे बर्खास्त होने का इंतज़ार कर रहे हैं। जयपुर यह आम कार्यकर्ताओं के द्वारा भी यह सवाल पूछा जा रहा है।

यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा पर भी लागू है, जिन्होंने मतगणना में दिनभर पिछड़ने के बाद

- गहलोत ने राज्यपाल से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया है क्योंकि ऐसा करना संवैधानिक मजबूरी है।
- हार के कारणों पर मंथन के लिए रंधावा और डोटासरा ने बैठक बुलाई थी पर जिसकी जिद ने पार्टी को यहां तक पहुंचाया वो बैठक में नहीं पहुंचे।
- अभी तक भी कांग्रेस विधायक दल की बैठक होने की भी कोई चर्चा नहीं है इस संबंध में निर्णय दिल्ली में होगा, जहां गहलोत खड्डे को अपने पक्ष में खड़ा होने के लिए तैयार कर सकते हैं।

पर आराम करते हुए बिताया। क्या उन्होंने सामान पैक करना शुरू कर दिया है? स्पष्ट नहीं है कि क्या वे यह जानते हैं कि नैतिकता का तकाजा है कि मुख्यमंत्री का निवास यथा शीघ्र खाली कर दिया जाना चाहिए, ताकि नया मुख्यमंत्री वहाँ निवास कर सके।

सी.एल.पी. को कोई बैठक तय नहीं हुई है क्योंकि पार्टी को बैठक करके तथा सी.एल.पी. नेता चुनना होगा। यह निर्णय दिल्ली में लिया जायेगा। हालांकि, गहलोत खड्डे पर 'दबाव' बना रहे हैं उनका पक्ष लेने के लिये। सचिन पायलट जो आज टोक गये थे, ने कहा कि पार्टी को राजस्थान की हार पर खुल कर पूरी तरह से विचार करना चाहिए और हार के कारणों को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने गहलोत के लम्बे समय तक ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा के विस्फोटक व्यक्तित्व तथा दावों पर भी गहन विचार करने की मांग की। अभी तक कांग्रेस कार्यकर्ता चुप है, पर बहुत से नेताओं के हार पर बोलने की संभावना है। रंधावा के व्यवहार पर सवाल उठेंगे, जो अशोक गहलोत की कठपुतली की तरह काम कर रहे थे और पार्टी के ऐसे शर्मनाक प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे।

अभी इंतज़ार करना होगा नए मु.मंत्री के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर भाजपा ने राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें अगले मुख्यमंत्री से सम्बंधित फीडबैक दिया।

■ प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर नए मुख्यमंत्री के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पर भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख कर ही कोई निर्णय लेगी।

सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही राजस्थान के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा कर दी जाएगी। उसके बाद पार्टी नेताओं से चर्चा की जाएगी। संभावना है कि पार्टी पहले मध्य प्रदेश, फिर छत्तीसगढ़ और फिर राजस्थान पर निर्णय करेगी। इस प्रक्रिया में कुछ दिन लग सकते हैं। पता चला है कि नरेंद्र मोदी आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए ऐसा निर्णय लेंगे जिससे पार्टी को लाभ हो। अभी राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों पर भाजपा काबिज है और पार्टी इसे कायम रखना चाहेगी इसके लिए जातिगत और क्षेत्रवार समीकरणों का ध्यान रखना पड़ेगा। अन्ततोगत्वा पार्टी को उम्मीद है कि मोदी के नाम का जादू चलेगा और अंतिम फैसला वे ही करेंगे।

कांग्रेस की हार से सबसे ज्यादा खुश हैं ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व हासिल करने की कोशिश भी शुरू कर दी है

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर जैसी कि उनकी आदत है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बचकानी हरकत कर विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन के नेतृत्व को हथियाने की कोशिश कर रही हैं। गठबंधन की 6 दिसम्बर को मीटिंग है जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा होगी, लेकिन ममता इसमें भाग लेने से इंकार कर रही हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान उनकी तुणमूल कांग्रेस भाजपा नेतृत्व वाले एन.डी.ए. का घटक दल थी। उन्होंने तब भी ऐसा ही व्यवहार किया था। हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों के नतीजे जब पूरे भी नहीं थे, तब ममता बनर्जी ने अपने प्रवक्ता से कहा कि वह यह घोषणा करे कि कांग्रेस की विफलता को देखते हुए, एक ममता बनर्जी ही ऐसी हैं जो इण्डिया गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं।

- बंगाल की राजनीति के कारण ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ बिल्कुल भी सहज नहीं हैं और इंडिया गठबंधन में इस राष्ट्रीय पार्टी के रूतबे को वे सहन नहीं कर पाती हैं।
- चुनाव नतीजों के बीच उन्होंने पार्टी प्रवक्ता के जरिए बयान दिलाया कि, अब ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का चेहरा बना देना चाहिए।

के गठन के बाद ही इस बात पर जोर दिया था, लेकिन तब यह गणित चल नहीं पायी थी। अब, विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद बनर्जी ने इण्डिया गठबंधन के प्रमुख पद के लिए सबसे पहले दावा किया। उन्हें एक बार फिर गंभीरता से शयद ही लिया जाए क्योंकि पश्चिम बंगाल से बाहर उनका एक भी विधायक नहीं है। इतना ही नहीं, बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में पार्टी की उपस्थिति न होने के कारण चुनाव आयोग तुणमूल कांग्रेस को एक क्षेत्रीय पार्टी घोषित कर चुका है। ममता ने कहा है कि कांग्रेस का विधानसभा चुनाव विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर लड़ना चाहिए था और उनके साथ सीट शेयरिंग करनी चाहिए थी। इण्डिया गठबंधन की कुछ अन्य पार्टियां भी नाराज हैं और कुछ तो सीधे-सीधे कांग्रेस की आलोचना कर रही हैं। इसके बावजूद इन विधानसभा चुनावों ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का कोई प्रतिद्वंदी नहीं है। इन राज्यों में किसी अन्य पार्टी की कोई उपस्थिति नहीं है और कांग्रेस ने दक्षिण भारत का जो राज्य हथियाया है, वह एक ऐसी पार्टी से हथियाया है, जिसकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं थीं। तेलंगाना में स्थानीय पार्टी बी.आर.एस. की करारी हार कम से कम एक राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान का संकेत देती है। जहाँ हाल ही चुनाव सम्पन्न हुए, वहाँ भी कांग्रेस की कोई हल्की उपस्थिति नहीं है। उसने राजस्थान में 70, मध्य प्रदेश में 71 और छत्तीसगढ़ में भी अच्छी सीटें जीती हैं। इन राज्यों में किसी भी अन्य पार्टी की कांग्रेस के पास-पास सीटें नहीं हैं। हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हार गई, लेकिन इसका कारण कांग्रेस के कुछ शीर्ष नेताओं और उनके सहयोगियों की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां थीं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ADMISSION CLOSING SOON

B.A.-LL.B.

BIYANI LAW COLLEGE (Co-Ed.)
Affiliated to Dr. Bhimrao Ambedkar Law University, Jaipur
Helpline : +91-7737823249

क्या रैवन्त रेड्डी होंगे तेलंगाना में कांग्रेस के पहले मुख्यमंत्री

कांग्रेस आलाकमान ने रैवन्त के नाम पर सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है

-लक्ष्मण वैकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर तेलंगाना की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में जनदेश दिया है और अब वहाँ भी "पोलिटिकल थ्रिलर ड्रामा" शुरू हो गया है "कौन बनेगा मुख्यमंत्री"। कांग्रेस का शो

- पार्टी सूत्रों के अनुसार तेलंगाना में डी.के. शिवकुमार व केन्द्रीय नेताओं ने सभी विधायकों से बात की है तथा विधायकों का बहुमत रैवन्त रेड्डी को मुख्यमंत्री बनाना चाहता है।
- डी.के. शिवकुमार व केन्द्रीय ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षक दिल्ली गए हैं, आलाकमान से चर्चा करने।

"आर.आर.आर." राहुल, रैवन्त और रेड्डी आम जनता में सुपरहिट हो गया जिसके सूत्रधार थे युवा एवं ऊर्जावान नेता रैवन्त रेड्डी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और दिल्ली के ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षकों के समक्ष कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद की दौड़ शुरू हो गई। पूरे दिन पार्टी नेता और विधायक एक चर्चा के लिए प्राइवेट होटल में बने रहे और सरकार गठन पर चर्चा चली। हमेशा की तरह नेतृत्व के मुद्दे पर

महुआ निष्कासन से बर्चीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर कांग्रेस सांसद शशि धरुर ने सवाल के बदले पैसा लेने के मामले से निपटने के सरकार के तरीके की धृजियां उड़ा दी और एथिक्स कमेटी पर तथा

- एथिक्स कमेटी और प्रिविलेज कमेटी के टकराव ने महुआ की लोकसभा सदस्यता बचा ली।

विशेषाधिकार (प्रिविलेज) कमेटी से इसके रिस्ते पर सवाल उठाए। उन्होंने एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को दर गुजर करने की आलोचना की और पारदर्शिता व उत्तर दायित्व के सम्बंध में सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारे एथिक्स कमेटी पर मूल सवाल है। प्रिविलेज कमेटी और एथिक्स कमेटी के क्षेत्राधिकार में "ओवरलैपिंग" नहीं होनी चाहिए। गत शुक्रवार को लोकसभा की बिजनैस एडवायज़री कमेटी ने उन्हें सोमवार को सदर ने निकालने का दावा किया था पर दोनों पैनालों के टकराव ने महुआ को निष्कासन से बचा लिया।

चुनाव नतीजों के कारण इंडिया गठबंधन में कांग्रेस का रूतबा घटा है

कर्नाटक चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन में कांग्रेस का कद बढ़ गया और पार्टी ने अपना प्रभुत्व जमाना भी शुरू कर दिया था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर तीन हिंदी भाषी राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शर्मनाक पराजय झेलने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आने को बाध्य हो गई है। वह विपक्ष के गठबंधन इण्डियन नेशनल डेवलपमेंट अलायंस (इण्डिया) की बुधवार को एक मीटिंग आयोजित कर रही है, जिसमें इस गठबंधन की कमियां को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उक्त तीनों राज्यों में मिली हार के बाद "इण्डिया" गठबंधन के सहयोगी आक्रामक मुद्रा में आ गए हैं और उसे इस बात का दोष दे रहे हैं कि उसने गठबंधन के कुछ सहयोगियों के साथ सीट शेयरिंग समझौता नहीं किया,

- पर विधानसभा नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन के घटक दलों की आम राय है कि अगर पार्टी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलती तो नतीजे कुछ और होते।
- चुनाव हारते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्डे ने "इंडिया" की बैठक बुलाई है, जिस पर भी सहयोगी दलों ने कटाक्ष किया।
- एक प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता ने कहा कि, कांग्रेस चुनाव नतीजों का इंतज़ार कर रही थी ताकि "इंडिया" गठबंधन में ज्यादा सौदेबाजी कर सके पर हुआ उल्टा।

सफलता का श्रेय सभी लेना चाहते हैं, लेकिन विफलता का कोई भी नहीं। अब वह आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को कड़ी चुनौती देने के लिए स्वयं को समाप्तोचित करने का प्रयास कर रही है।" तीन राज्यों में भाजपा के हाथों बड़ी पराजय झेलने के बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्डे ने विपक्ष के गठबंधन की अगली मीटिंग बुलाए जाने की मांग की। गठबंधन की पिछली मीटिंग्स 31 अगस्त और 1 सितम्बर को मुम्बई में हुई थी। हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस की पराजय ने विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन में कांग्रेस के प्रति नाराजगी बढ़ा दी है। वह यह उल्लेख कर रहा है कि विपक्ष के मुख्य दल कांग्रेस ने अपने

जनाधार रखने वाली कांग्रेस अब "इण्डिया" गठबंधन में संतुलन स्थापित करने को लेकर फूक-फूक कर कदम बढ़ा रही है। एक नेता ने बताया कि "कांग्रेस दुविधा का सामना कर रही है क्योंकि

दिव्य पतंजलि

ब्रेन के हर रोग व समस्या का सम्पूर्ण समाधान आयुर्वेद में है

प्राचीन काल में हमारे पूर्वजों ने मस्तिष्क के विकास एवं मस्तिष्क के रोगों के निवारण के लिए जो हमें ज्ञान दिया था, हमने उसपर वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन्स बनाकर मस्तिष्क के रोगों का उपचार कर के मानवता का उपकार किया है।

अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन, माइग्रेन पेन, पार्किंसन्स, डिमेंशिया, अल्ज़ाइमर, ओ सी डी, माइल्ड ऑटिज़्म, एपीलेप्सी (मिर्गी) से मुक्ति पाने के लिए और स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए अपनाएं रिसर्च एंड एविडेंस बेस्ड पतंजलि मेधा वटी, मेमोरीग्रिट, न्यूरोग्रिट एवं ऑर्गेनिक ओमेगा। ये औषधियां मस्तिष्क के न्यूरॉन्स, स्नैप्स एवं सिग्नल्स को ठीक करके ब्रेन सिस्टम को हेल्दी बनाती हैं।

नई-नई रिसर्च की जानकारी हेतु विज़िट करें: www.patanjali.res.in

हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।
उपर वर्णित दवा का उपयोग मात्र सुझाव है। उपयुक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इनका मुख्यत: प्रयोग किया जाता है। स्वयंके से दवाई न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।